नारायण अस्त्र-कारोना वायरस

नारायणस्त्र भगवान विष्णु का नारायण रूप में उनका व्यक्तिगत अस्त्र था। यह अस्त्र से लाखों शक्तिशाली दमन घातक मिसाइल एक साथ निकलता हैं। प्रतिरोध की वृद्धि से मिसाइल की तीव्रता बढ़ जाती है। इस मिसाइल के प्रति रक्षा का एकमात्र तरीका, मिसाइल हमें मारने से पहले संपूर्ण आत्मसमर्पण से रहना। इस कारण अस्त्र लक्ष्य को छोड़ देता है। यह 6 मंत्र मुक्ता में से एक है, इन अस्त्ररों का विरोध नहीं किया जा सकता।

महाभारत में योद्धा अश्वत्थामा ने इस हथियार को पांडव सेनाओं पर छोड़ा। भगवान कृष्ण जो विष्णु के अवतार है पांडव और उन के योद्धा को अपने हथियार छोड़ कर जमीन पर लेटने की सलाह देते हैं, ताकि वे सभी अस्त्र की शक्ति के लिए पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दे। यह भी कहा गया था कि इस हथियार का इस्तेमाल केवल एक बार युद्ध में किया जा सकता है और अगर कोई इसे दोबारा इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो यह उपयोगकर्ता की अपनी सेना को नष्ट कर देगा।

जब इसका उपयोग किया गया तो बीमारी के लक्षण पैदा करके पांडवों को नष्ट करने के लिए एकादशी (11) रूद्र आकाश में प्रकट हुए। लाखों प्रकार के हथियार जैसे चक्र गदा बहुत तेज चीर क्रोध में उन्हें नष्ट करने के लिए प्रकट हुआ। जिसने भी युद्ध करने की कोशिश की उसे नष्ट कर दिया गया। श्री कृष्ण जो नारायणास्त्र को शांत करना जानते थे उन्होंने पांडवों और उनकी सेना को तुरंत अपने हाथों से सभी प्रकार के हथियारों को छोड़ने और भगवान विष्णु के महान अस्त्र के सामने आत्मसमर्पण करने की सलाह दी। ऐसा करके सब लोग बच गया।

पांडव नायक भीम इसे कायरता कमजोरी या भय का कार्य मानकर आत्मसमर्पण करने से इनकार किया और हमला किया। नारायणास्त्र भीम पर हमला किया और भीम कमजोर होने लगा। लेकिन वह बच गया क्योंकि भगवान श्री कृष्ण और उसके भाइयों ने सही समय पर युद्ध करने से रोक दिया।

महाभारत में केवल भगवान कृष्ण, द्रोणाचार्य और अश्वत्थामा के पास ही नारायणास्त्र था रामायण में भगवान राम के पास ही यह अस्त्र था।

इसलिए हमें कारोना वायरस को केवल एक महामारी के रूप में ही नहीं, बल्कि हमें इसे नारायणास्त्र के रूप में दिव्य कारोना के रूप में भी देखना चाहिए और उसके प्रति समर्पण से कैसे रहे वह भी सीखना चाहिए। 2004 से जब भी मुझे मानसिक समस्याओं या शारीरिक बीमारी का समना करना पड़ा, मैंने पूरी तरह से समस्या के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बिना दवाओं के खुद को ठीक कर लिया।

** यह ज्ञान तेलुगु भाषा से अनुवादित है। तेलुगु या अन्य भाषाओं में यह ज्ञान पढ़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें **http://darmam.com/library.html**